UNI BREVITY ACCURACY SPEED
यूनीवार्ता
भारत की अग्रणी संवाद समिति

http://www.univarta.com/news/states/story/3224456.html#google_vignette

राज्य

Posted at: Jun 20 2024 10:32PM

ईडीआईआई ने आयोजित किया 23वां दीक्षांत समारोह

अहमदाबाद, 20 जून (वार्ता) भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) ने अपना 23वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया।

ईडीआईआई की ओर से गुरुवार को यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार केन्द्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय द्वारा 'सेंटर ऑफ एक्सीलेन्स' के रूप में मान्यता प्राप्त भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई), अहमदाबाद ने हाल ही में अपने 23वें दीक्षांत समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर 78 छात्रों को डिप्लोमा और फेलो से सम्मानित किया गया, इनमें से 74 छात्रों को पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा और चार को फेलो दिया गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया के एमडी एवं सीईओ आशीष कुमार चौहान इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

श्री आशीष कुमार ने ग्रेजुएट छात्रों को स्कॉलेस्कि मेडल से सम्मानित किया तथा सभा को सम्बोधित भी किया। डॉ सुनील शुक्ला, महानिदेशक, ईडीआईआई ने मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ईडीआईआई के अध्यक्ष राकेश शर्मा, एमडी एवं सीईओ, आईडीबीआई बैंक लिमिटेड द्वारा की गई। डॉ सुनील शुक्ला, महानिदेशक, ईडीआईआई और बोर्ड सदस्य अनिंदय सुंदर पॉल, चीफ़ जनरल मैनेजर (एसएमई और सप्लाई चेन फाइनैंस), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया; डॉ मिलिंद कांबले, संस्थापक, चेयरमैन, दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री अनिल भारद्वाज, महासचिव, भारतीय लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्यमों के संघ तथा डॉ ओ.पी. गोयल, चीफ़ एक्ज़क्टिव ऑफिसर के अडवाइज़र, राष्ट्रीय कौशल विकास निगम भी इस अवसर पर मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि आशीष कुमार चौहान ने ग्रेजुएट छात्रों को बधाई दी और कहा कि आने वाले वाले समय में ढेरों अवसर उनका इंतज़ार कर रहे हैं। उन्हें उत्सुकता के साथ आगे बढ़ने के लिये प्रेरित करते हुये कहा, "आज भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, चौथा सबसे बड़ा पूंजी बाज़ार और तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट-अप हब है। उद्यमिता का तात्पर्य सिर्फ कारोबार शुरू करने और इसका संचालन करने से ही नहीं बल्कि यह ऐसी सोच को अपनाने के बारे में है, जो चुनौतियों का स्वागत करे, मूल्यों एवं रचनात्कता को महत्व दे और समाज में सकारात्मक बदलाव ला सके। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुसार उद्यमिता, विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में उत्प्रेरक की भूमिका निभायेगी। मैं छात्रों को उद्यमिता में करियर बनाने के लिए बधाई देता हूं और उनके उज्जवल भविष्य के लिये शुभकामनायें देता हूं।"

मुख्य अतिथि ने अपनी बात समाप्त करते हुये छात्रों को सलाह दी कि उन्हें अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने चाहिये और बदलते रूझानों के साथ हमेशा तैयार रहना चाहिये।

ईडीआईआई के अध्यक्ष राकेश शर्मा ने कहा, "संस्थान ने सफलतापूर्वक विश्वस्तरीय उद्यमिता एवं स्टार्ट-अप सिस्टम बनाया है। संस्थान उद्यमिता को प्राथमिकता देने में अग्रणी रहा है और अनुशासन को महत्व देता रहा है जो राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आज हम उद्यमिता के विकास, एमएसएमई को सशक्त बनाने, स्टार्ट-अप्स एवं इनोवेशन्स को बढ़ावा देने के लिये सभी अकादमिक मंचों पर नियमित सेमिनार, चर्चायें आयोजित करते हैं। मैं छात्रों को बधाई देना चाहूंगा जिन्होंने उद्यमिता को अपने करियर के रूप में चुना है और सही समय में आगे बढ़ने जा रहे हैं।'

ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ सुनील शुक्ला ने अतिथि एवं अन्य मेहमानों का स्वागत किया। उन्होंने पिछले चार दशकों के दौरान उद्यमिता को बढ़ावा देने में ईडीआईआई की प्रतिबद्धता पर रोशनी डाली। उन्होंने कहा, "भारतीय उद्यमिता संस्थान ने उद्यमिता, अनुसंधान एवं पॉलिसी एडवोकेसी, इनोवेशन्स, कौशल, एसएमई के विकास, आजीविका तथा समावेशन और इन्क्यूबेशन को बढ़ावा देने के लिए कार्य किया है। सरकारी मंत्रालयों, राज्य सरकारों, विकास एवं बहु-आयामी एजेंसियों तथा जाने-माने कॉर्पोरेट्स के सहयोग से संस्थान की परियोजनाओं ने कौशल में सुधार, उद्यमों की स्थापना, राजस्व सृजन एवं रोज़गार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान देकर देश भर में उद्यमिता को सशक्त बनाया है। अपनी क्षमता एवं अनुभव का उपयोग करते हुए भारतीय उद्यमिता संस्थान, उद्यमिता के अनूठे मॉडलों के साथ देश-विदेश में अधिक से अधिक क्षेत्रों तक सफलतापूर्वक पहुंचा है।"

अनिल.श्रवण

वार्ता